संकलित परीक्षा–I (2011)
हिन्दी 'अ'
कक्षा –X

530040

समय 3 घण्टे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश :—

(1) इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड-'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1x5=5**

यांत्रिक गति से जाते और लौटते पंडित जी आज सुबह अचानक उस मैदान की ओर बढ़ चले जहाँ कक्षा-भवनों से कलकल - ध्वनि के साथ बालकों की धारा निकलकर बह रही थी। उन्हें यह समझते देर नहीं लगी कि स्कूली बच्चों की प्रार्थना का समय है। बालक अब पंक्तिबद्ध होकर खड़े हो गए हैं। कलकल-ध्वनि शांत हो गई है। किसी आंतरिक अनुशासन से सबके मुँह पर शांति और नम्रता की सात्विक आर्द्रता छा गई है। सिर किंचित आगे झुक गए, आँखें, अधमुँदी या मुँदी स्थिति में हो गईं।

पंडितजी ने सोचा, कौन कहता है कि आज का छात्र-वर्ग विद्या-बुद्धि के साथ अनुशासन की दिशा में एकदम खोखला हो गया है? ऐसा सोचने वाले एक बार आकर उन्हें इस रूप में देखें। उँचे दर्जे के छात्र भी छोटे बालकों के साथ शांत संयमित हैं। क्या कभी मार-पीटकर छात्रों को इतना शांत बनाया जा सकता है? नहीं, यह प्रार्थना और ईश्वर की महिमा का प्रभाव है। प्रार्थना सभा की यह भाव-मग्नता रहेगी तो शिक्षा की सफलता असंदिग्ध रहेगी।

(1) पंडित जी को क्या समझते देर नहीं लगी?

(क) यह खेल का समय है। (ख) यह प्रार्थना का समय है।

(ग) यह खाने का समय है। (घ) यह पढ़ने का समय है।

(2) ऊँचे दर्जे के छात्र भी छोटे बालकों के समान कैसे थे?

(क) अनुशासित (ख) अभद्र-अशिष्ट

(ग) शांत और संयमित (घ) यांत्रिक गति से संपन्न

(3) अगर प्रार्थना न हो तो शिक्षा की सफलता कैसी रहेगी?

(क) सराहनीय (ख) संदिग्ध

(ग) बेमानी (घ) विरूपित

(4) किसी आंतरिक अनुशासन से सबके मुख पर क्या छा गई थी?

(क) हँसी-खुशी और ठिठोली

(ख) गम-दर्द औऱ पीड़ा की आर्द्रता

(ग) शांति-नम्रता की सात्विक आर्द्रता

(घ) अशांति-क्षोभ के आँसुओं की आर्द्रता

(5) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक चुनिए :

(क) विद्यालय में खेलकूद

(ख) प्रात:कालीन प्रार्थना-सभा

(ग) विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम

(घ) विद्यालय में अनुशासन और दंड

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1x5=5

राजेन्द्र बाबू की मुखाकृति ही नहीं, उनके शरीर के सम्पूर्ण गठन में एक सामान्य भारतीय जन की आकृति और गठन की छाया थी, अत: उन्हें देखने वाले को कोई न कोई आकृति या व्यक्ति स्मरण हो आता था और वह अनुभव करने लगता था कि इस प्रकार के व्यक्ति को पहले भी कहीं देखा है। आकृति तथा वेशभूषा के समान ही वे अपने प्रभाव और रहन-सहन में सामान्य भारतीय या भारतीय कृषक का ही प्रतिनिधित्व करते थे। प्रतिभा और बुद्धि की विशिष्टता के साथ-साथ उन्हें जो गम्भीर संवेदना प्राप्त हुई थी, वही उनकी सामान्यता को गरिमा प्रदान करती थी। व्यापकता ही सामान्यता की शपथ है, परन्तु व्यापकता संवेदना की गहराई में स्थिति रखती है।

भाई जवाहरलाल जी की अस्तव्यस्तता भी व्यवस्था से निर्मित होती थी, किन्तु राजेन्द्र बाबू की सारी व्यवस्था ही अस्तव्यस्तता की पर्याय थी। दूसरे यदि जवाहरलाल जी की अस्तव्यस्तता देख ले तो उन्हें बुरा नहीं लगता था परन्तु अस्तव्यस्तता के प्रकट होने पर राजेन्द्र बाबू भूल करने वाले बालक के समान संकुचित हो जाते थे। एक दिन यदि दोनों पैरों में दो भिन्न रंग के मोजे पहने उन्हें किसी ने देख लिया तो उनका संकुचित हो उठना अनिवार्य था। परन्तु दूसरे दिन वे जब स्वयं सावधानी से रंग का मिलान करके पहनते, तो पहल से भी अधिक अनमेल रंगों के पहन लेते।

उनकी वेशभूषा की अस्तव्यस्तता के साथ उनके निजी सचिव और सहचर भाई चक्रधर जी का स्मरण अनायास हो आता है। जब मोजों में से पाँचों उंगलियाँ बाहर निकलने लगती, जब जूते के तले पैर के गवाक्ष

बनने लगते, जब धोती कुरते, कोट आदि का खद्दर अपने मूल ताने–बाने में बदलने लगता, तब चक्रधर इस पुरातन सज्जा को अपने लिए सहेज लेते।

(1) राजेन्द्र बाबू को देखकर लोगों को क्या लगता था?

(क) इस प्रकार के व्यक्ति को कभी नहीं देखा।

(ख) इस प्रकार के व्यक्ति को पहले कहीं देखा है।

(ग) इस प्रकार के व्यक्ति प्राय: दिखाई देते रहते हैं।

(घ) इस प्रकार के व्यक्ति कभी–कभी देखने में आते हैं।

(2) राजेन्द्र बाबू की अस्तव्यस्तता जब लोगों के सामने प्रकट हो जाती तब वे क्या करते?

(क) भूल करने वाले बालक के समान रूठ जाते।

(ख) भूल करने वाले बालक के समान क्रोधित हो जाते।

(ग) भूल करने वाले बालक के समान संकुचित हो जाते।

(घ) भूल करने वाले बालक के समान रो पड़ते।

(3) राजेन्द्र बाबू की वेशभूषा के साथ लेखक को किसका स्मरण हो आता है?

(क) जवाहरलाल का

(ख) चक्रधर का

(ग) भारतीय किसान का

(घ) साधारण ग्रामीण का

(4) प्रतिनिधित्व शब्द का सही विकल्प है :

(क) प्रतिनिधि+त्व

(ख) प्रतिनि+धित्व

(ग) प्रति+निधित्व

(घ) प्रतिनिधित+त्व

(5) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है :

(क) राजेन्द्र बाबू और जवाहरलाल

(ख) राजेन्द्र बाबू – सादगी की प्रतिमूर्ति

(ग) राजेन्द्र बाबू – हमारे पहले राष्ट्रपति

(घ) राजेन्द्र बाबू – भारतीय किसान की प्रतिमूर्ति

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1x5=5

वीर जवानो सुनो, तुम्हारे सम्मुख एक सवाल है।
जिस धरती को तुमने सींचा
अपने खून–पसीनों से,
हार गई दुश्मन की गोली
वज्र सरीखे सीनों से।
जब – जब उठी तुम्हारी बाहें, होता वश में काल है।
जिस धरती के लिये सदा
तुमने सब कुछ कुर्बान किया,
शूली पर चढ़ कर, हँस – हँस कर
कालकूट का पान किया।
जब – जब तुमने कदम बढ़ाया, हुई दिशाएँ लाल हैं।
उस धरती को टुकड़े – टुकड़े
करना चाह रहे दुश्मन,
बड़े गौर से अजब तुम्हारी
चुप्पी चाह रहे दुश्मन,
जाति – पाति, वर्गों – फिरकों के वह फैलाता जाल है।
कुछ देशों की लोलुप नज़रें
लगी तुम्हारी ओर हैं
कुछ अपने ही जयचंदों के
मन में बैठा चोर है।
सावधान कर दो उसको जो पहने कपटी खाल है।

(1) 'धरती' शब्द से कवि का अभिप्राय है :

(क) खेतों से (ख) देश से

(ग) पृथ्वी से (घ) राज्यों से

(2) अपने ही 'जयचंदों' से तात्पर्य है :

(क) विश्वासघाती (ख) वीर

(ग) देशप्रेमी (घ) आतंकवादीयों

(3) 'धरती' के दुश्मन कौन हैं?

(क) आतंकवादी (ख) जातीयतावादी

(ग) विश्वासघाती (घ) शत्रु के पक्षपाती

(4) 'धरती' को किससे सींचा है?

(क) नहरों से (ख) खून–पसीने से

(ग) कुर्बानी से (घ) बहादुरी से

(5) 'कपटी खाल' शब्द से क्या तात्पर्य है?

(क) बनावटी व्यवहार (ख) अविश्वास भरा व्यवहार

(ग) अप्रिय व्यवहार (घ) देशद्रोही व्यवहार

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1x5=5

तितली तितली! कहाँ चली हो नंदन – वन की रानी सी।

वन–उपवन में, गिरि–कानन में फिरती हो दीवानी सी।

फूल–फूल पर, अटक–अटक कर करती कुछ मनमानी सी

पत्ती–पत्ती से कहती कुछ अपनी प्रणय कहानी सी।

यह मस्ती, इतनी चंचलता किससे अलि! तुमने पाई ?

कहाँ जा रही हो इस वन में उषा में अलसाई सी,

सोते ही सोते मीठी सी सुधि तुमको किसकी आई?

जो चल पड़ी जाग तुम झटपट लेते लेते अंगड़ाई।

(i) तितली को नंदन–वन की रानी क्यों कहा गया है?

(क) उपवन में रहने के कारण

(ख) पुष्पों–पत्तियों पर मनमानी करने के कारण।

(ग) पहाड़ों में रहने के कारण।

(घ) जंगल में घूमने के कारण।

(ii) 'प्रणय कहानी' का तात्पर्य है :

(क) दु:ख की कहानी। (ख) उमंगों की कहानी।

(ग) साहस की कहानी। (घ) प्यार की कहानी।

(iii) कवि को कैसे पता चला कि तितली को किसी की याद आई है ?

(क) अचानक उसको अंगड़ाई लेकर जाते देखकर।

(ख) अचानक उसके सुस्त हो जाने पर।

(ग) उसकी चंचलता को देखकर।

(घ) उसको एक ही जगह बैठे देखकर।

(iv) तितली अपनी प्रेमकहानी किसे सुनाती है ?

(क) नंदनवन को (ख) गिरि-कानन को

(ग) फूल-पत्तियों को (घ) कवि को

(v) तितली जंगल में कैसी होकर घूमती फिरती है ?

(क) पागल सी (ख) दीवानी सी

(ग) मस्त सी (घ) आनन्दित सी

खंड-'ख'

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। **4**

(i) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में अकर्मक क्रिया प्रयुक्त हुई है?

(क) शीला हँस रही है

(ख) श्याम पुस्तक पढ़ता है

(ग) बच्चे मैदान में फ़ुटबॉल खेलते है

(घ) वह पेन से पत्र लिखता हैं

(ii) लड़कियाँ शतरंज <u>खेल रही</u> है :

उपर्युक्त वाक्य में रेखांकित क्रिया का भेद निम्नलिखित विकल्पों से चुनकर लिखिए :

(क) अकर्मक क्रिया (ख) सकर्मक क्रिया

(ग) अपूर्ण क्रिया (घ) द्विकर्मक क्रिया

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त क्रिया का सही विकल्प लिखिए।

(क) मैने फल खरीदे। (ख) तुम वहाँ जाकर बैठ जाओ।

(ग) बच्चा सोएगा (घ) दर्जी ने कपड़े सिले।

(iv) 'वह खाना खिला रहा है' वाक्य में प्रयुक्त क्रिया भेद लिखिए :

(क) एककर्मक क्रिया (ख) अकर्मक क्रिया

(ग) द्विकर्मक क्रिया (घ) अपूर्ण क्रिया

6. (क) 'उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है' । वाक्य में प्रयुक्त मुख्य क्रिया का उचित विकल्प चुनकर लिखिए- **4**

(1) स्वीकार कर (2) अपराध

(3) है (4) लिया

(ख) 'तुम बचपन में बहुत रोते थे।' वाक्य में प्रयुक्त क्रिया भेद का सही विकल्प चुनकर लिखिए -

(1) अकर्मक (2) एक कर्मक

(3) द्विकर्मक (4) सकर्मक

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में मुख्य क्रिया प्रयुक्त नहीं हुई है ? सही विकल्प चुनकर लिखिए -

(1) खिलाड़ी देर रात तक खेलते हैं। (2) बाहर बिजली चमक रही है ।

(3) वह हमेशा पढ़ता रहता है । (4) ऐसे जीवन को धिक्कार ।

(घ) कर्म के अनुसार क्रिया के ..... भेद हैं । उचित विकल्प चुनिए

(1) पाँच (2) तीन (3) दो (4) चार

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए - **4**

(क) बारिश का पानी भरता चला जा रहा है - रेखांकित क्रिया भेद का सही विकल्प चुनिए -

(i) मुख्य क्रिया (ii) सहायक क्रिया

(iii) संयुक्त क्रिया (iv) तीनों में कोई नहीं।

(ख) संयुक्त क्रिया वाले वाक्य का सही विकल्प चुनिए -

(i) मैं उसके साथ ही गया। (ii) संगीता ने रोचक कहानी सुनाई।

(iii) बच्चा चिल्ला उठा। (iv) बच्चे मन से पढ़ते हैं।

(ग) इसे जाने दो - रेखांकित क्रिया भेद का सही विकल्प चुनिए -

(i) मुख्य क्रिया (ii) सहायक क्रिया

(iii) संयुक्त क्रिया (iv) प्रेरणार्थक क्रिया

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से अकर्मक क्रिया वाला वाक्य चुनिए -

(i) प्यासे को पानी पिलाओ। (ii) आज ही एस.एम.एस. भेजो।

(iii) मोहन सरपट दौड़ गया। (iv) मैंने सब्जियाँ खरीदी।

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – **4**

निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित विशेषणों का प्रकार बताने के लिए सही विकल्प चुनिए –

(क) यहाँ पाँच सेव रखे हैं।

(i) अनिश्चित परिमाणवाचक (ii) निश्चित संख्यावाचक

(iii) अनिश्चित संख्या वाचक (iv) निश्चित परिमाणवाचक

(ख) वह जोशीला–फुर्तीला खिलाड़ी है ।

(i) सार्वनमिक (ii) परिमाणवाचक

(iii) गुणवाचक (iv) संख्यावाचक

(ग) नोचे दिए गए विशेषणां के सही विकल्पों से रिक्त स्थान भरिए –

वसंत में पूरी बगिया ------- हो उठी।

(i) पुष्पन–पल्लवन (ii) पुष्पक–पल्लवक

(iii) पुष्पित–पल्लवित (iv) पुष्पीय–पल्लवीय

(घ) हमें ..... इमारतों की देखभाल करनी चाहिए।

(i) इतिहासिक (ii) एतिहासिक

(iii) ऐतिहासिक (iv) इतिहासित

9. निम्नलिखित वाक्यों में दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त क्रिया विशेषणों से कीजिए। **4**

(i) एक बूँद ..... उछली।

(क) धीरे (ख) सहसा (ग) तेज (घ) ध्यानपूर्वक

(ii) पता नहीं वह ..... चला गया।

(क) अब (ख) कब (ग) कैसे (घ) घर

(iii) ..... बोलो, कोई सुन लेगा।

(क) मीठा (ख) ज्यादा (ग) धीरे (घ) तेज

(iv) ..... जाओ जिससे समय पर पहुँच सको।

(क) धीरे (ख) जल्दी (ग) कम (घ) ऊपर

खंड-'ग'

10. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1x5=5**

बेटे के क्रिया – कर्म में तूल नहीं किया, पतोहू से ही आग दिलाई उसकी। किंतु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई , पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया , यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। उनकी जाति में पुनर्विवाह कोई नई बात नहीं , किंतु पतोहू का आग्रह था कि वह यहीं रहकर भगतजी की सेवा बंदगी में अपने वैधव्य के दिन गुजार देगी। लेकिन , भगतजी का कहना था – नहीं , यह अभी जवान है , वासनाओं पर बरबस काबू रखने की उम्र नहीं है इसकी। मन मतंग है , कहीं इसने गलती से ऊँच – नीच में पैर रख दिया तो। नहीं – नहीं तू जा। इधर पतोहू रो – रोकर कहती – मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े , तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा ? मैं पैर पड़ती हूँ , मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए। लेकिन भगत का निर्णय अटल था।

(1) 'बेटे के क्रिया – कर्म में तूल नहीं किया'– इस कथन का क्या आशय है ?

(क) ज्यादा दिखावा नहीं किया (ख) बात को ज्यादा नहीं बढ़ाया

(ग) कर्म काण्ड की विविध विधियों नहीं थी। (घ) स्वयं आग नहीं दी

(2) श्राद्ध की अवधि पूरी होने पर बालगोबिन भगत ने क्या काम किया ?

(क) पतोहू को बुलाया।

(ख) पतोहू के भाई को बुलाया।

(ग) पतोहू की दूसरी शादी करने का आदेश दिया

(घ) पतोहू को बाध्य किया।

(3) गद्यांश में भगत के स्वभाव का कौन–सा गुण झलकता है?

(क) सत्यवादी (ख) दृढ़निश्चयी

(ग) कठोर (घ) भगत की धमकी देने पर

(4) पतोहू ने भगत की किन – किन असुविधाओं का हवाला दिया ?

(क) भोजन बनाने की (ख) बीमारी की दशा की

(ग) पानी देने की (घ) इन सभी कामों की

(5) भगत द्वारा पतोहू के पुनर्विवाह के पक्ष में दिए गए तर्कों में इनमें से कौन सा तर्क नहीं था ?

(क) वह अभी जवान है।

(ख) वासनाओं पर काबू रखना कठिन है।

(ग) गलती से ऊँच – नीच में पैर रखा जा सकता है।

(घ) मुझे अब घर – गृहस्थ से मुक्त होना है।

अथवा

कस्बा बहुत बड़ा नहीं था। जिसे पक्का मकान कहा जा सके वैसे कुछ ही मकान और जिसे बाज़ार कहा जा सके वैसे ही एक ही बाज़ार था। कस्बे में एक लड़कों का स्कूल,एक लड़कियों का स्कूल ,एक सीमेंट का छोटा–सा कारखाना,दो ओपन एयर सिनेमाघर और एक ठो नगरपालिका भी थी। नगरपालिका थी तो कुछ–न–कुछ करती भी रहती थी। कभी कोई सड़क पक्की करवा दी , कभी कुछ पेशाबघर बनवा दिए , कभी कबूतरों की छतरी बनवा दी तो कभी कवि–सम्मेलन करवा दिया। इसी नगरपालिका के किसी उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार 'शहर' के मुख्य बाज़ार के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी। यह कहानी उसी प्रतिमा के बारे में है, बल्कि उसके भी एक छोटे–से हिस्से के बारे में।

पूरी बात तो अब पता नहीं , लेकिन लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं होने और अच्छी मूर्ति की लागत अनुमान और उपलब्ध बजट से कहीं बहुत ज़्यादा होने के कारण काफ़ी समय ऊहापोह और चिट्ठी–पत्री में बरबाद हुआ होगा और बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने की घड़ियों में किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया होगा, और अंत में कस्बे के इकलौते हाईस्कूल के इकलौते ड्राइंग–मास्टर, मान लीजिए – मोतीलाल जी को ही यह काम सौंप दिया गया होगा, जो महीने – भर में मूर्ति बनाकर 'पटक देने' का विश्वास दिला रहे थे।

(1) उपर्युक्त गद्यांश किस पाठ से लिया गया है?

(क) नेताजी का चश्मा (ख) लखनवी अंदाज

(ग) नौबतखाने में इबादत (घ) संस्कृति

(2) गद्यांश के आधार पर बताइए कि कस्बे में क्या नहीं था ?

(क) स्कूल (ख) कारखाना

(ग) सिनेमाघर (घ) होस्टल

(3) सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा किसने लगवा दी ?

(क) चेयरमैन ने (ख) प्रशासनिक अधिकारी ने

(ग) मंत्री ने (घ) जनता ने

(4) आपके विचार से मूर्ति बनाने की राह में क्या–क्या दिक्कतें आई होंगी ?

(क) देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी न होना।

(ख) मूर्ति का बजट कम होना।

(ग) बोर्ड की शासन अवधि समाप्ति पर होना।

(घ) चिट्ठी-पत्री में काफ़ी समय बर्बाद होना।

(5) अंततः मूर्ति बनाने का काम किसे सौंपा गया?

(क) कस्बे के हाईस्कूल के ड्राइंग मास्टर को

(ख) बाहर से बुलाए कलाकार को

(ग) अच्छे मूर्तिकार को

(घ) किसी अन्य को

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए। 2x5=10

(क) 'हालदार साहब' ने चौराहे पर न रुकने की बात क्यों सोची और क्यों अचानक रुक गए? पठित पाठ के आधार पर लिखिए।

(ख) 'बालगोबिन भगत' के स्नान हेतु गंगा जाने के क्या कारण थे? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'लखनवी अंदाज' पाठ के नवाब साहब खोरे को खाए बिना ही कैसे तृप्त हो गए?

(घ) कैप्टन नेता जी की मूर्ति पर चश्मा क्यों लगाता था?

(ङ) भगत के बेटे की मृत्यु पर, रोती हुई पतोहू को गाँव की स्त्रियों ने क्या-क्या कहकर धैर्य बंधाया होगा।

12. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1x5=5

पाँयनि नूपुर मंजु बजैं, कटि किंकिनि कै धुनि की मधुराई।

साँवरे अंग लसै पट पीत, हिये हुलसै बनमाल सुहाई।

माथे किरीट बड़े दृग चंचल, मंद हँसी मुखचंद जुन्हाई।

जै जग-मंदिर-दीपक सुंदर, श्री ब्रजदूलह 'देव' सहाई।।

(i) किस भाषा और किस छंद में यह काव्यांश रचा गया है?

(ii) श्रीकृष्ण के पाँव में क्या है?

(iii) श्रीकृष्ण की कमर में क्या है, उसकी धुन कैसी है?

(iv) श्रीकृष्ण की आँखों की सुंदरता को स्पष्ट कीजिए।

(v) श्रीकृष्ण के चेहरे पर मुस्कान किस प्रकार की प्रतीत होती है?

अथवा

किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले

अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले।

यह विडंबना। अरी सरलते! तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं।

भूलें अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊँ मैं।

उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की।

अरे खिल-खिला कर हँसते होने वाली उन बातों की।

(i) कवि ने किस शैली का प्रयोग किया है?

(ii) 'अरी सरलते' में विद्यमान विशिष्टता क्या है?

(iii) कवि क्या नहीं करना चाहता?

(iv) कवि किस गाथा को नहीं गाना चाहता?

(v) 'विडंबना' में छिपा अर्थ व्यक्त कीजिए।

13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए।

(क) स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है? **2**

(ख) गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं? **2**

(ग) कवि ने 'श्रीब्रजदूलह' किसके लिए प्रयुक्त किया है और उन्हें संसार रूपी मंदिर का दीपक क्यों कहा है? **1**

14. 'और देखते - ही - देखते नई दिल्ली का काया पलट होने लगा' - नई दिल्ली के कायापलट के लिए क्या - क्या प्रयत्न किये गए होंगे ? **5**

अथवा

माता का अँचल पाठ में बच्चे का अपने पिता से अधिक जुड़ाव था, फिर भी विपदा के समय वह पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है । आपकी समझ से इसकी क्या वज़ह हो सकती है ?

खंड-'घ'

15. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए : **5**

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए, जिसमें पुस्तकालय में हिन्दी पत्रिकाएँ मँगाने के लिए निवेदन किया गया हो।

अथवा

आपका मित्र राहुल क्रिकेट टीम का कप्तान चुना गया है। उसकी इस उपलब्धि पर बाधाई देते हुए पत्र लिखिए।

16. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर निबन्ध लिखिए : **5**

(क)विज्ञानः विकास या विनाश

- प्रस्तावना
- विज्ञान के बढ़ते कदम
- विज्ञान; सुविधाएँ एवं विकास
- विज्ञान का बिभत्स रूप और कारण
- इसका प्रभाव और समाधान
- उपसंहार

अथवा

(ख) नारी शिक्षा का महत्व -

- प्रस्तावना
- प्राचीन काल की नारी
- आज की नारी
- नारी बच्चे की प्रथम पाठशाला
- नारी और शिक्षा
- अशिक्षा के कारण
- नारी शिक्षा में सुधार के उपाय
- उपसंहार